

मुख्यमंत्री ने कथिा पजौर में हॉट एयर बैलून सफारी का शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

8 नवंबर, 2023 को हरयाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश के पंचकूला ज़िले में स्थिति 'गेट वे ऑफ हमिाचल' कहे जाने वाले पजौर में हॉट एयर बैलून सफारी का शुभारंभ कथिा ।

प्रमुख बदिु

- मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सवयं हरयाणा वधिानसभा अधयकष ज्ञान चंद गुप्ता और स्कूल शकषिा और वरिसत एवं पर्यटन मंत्री कंवर पाल के साथ सबसे पहले हॉट एयर बैलून सफारी की सवारी की ।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा क हॉट एयर बैलून सफारी सुरकषा की दृषटिसे काफी सुरकषति है । हॉट एयर बैलून संचालति करने वाली कंपनी ने सुरकषा सर्टफिकेट प्राप्त कथिा हुए हैं ।
- हॉट एयर बैलून सफारी का आनंद उटाने के लयि 13 हज़ार रुपए प्रत सवारी प्रत राइड का खर्चा आएगा । इसमें वही लोग सवारी कर पाएंगे जो स्वास्थ्य संबधी मापदंडों को पूरा करेंगे । राज्य सरकार कंपनी को दो साल के लयि वीजीएफ के तौर पर 72 लाख रुपए देगी ।
- इस कषेत्र में हॉट एयर बैलून सफारी की शुरुआत होने से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मल्लिगा, बल्क रोजगार के अवसर भी मल्लिगे । इससे एक ओर जहाँ पर्यटकों को पहले से चल रही पर्यटन की गतविधिथिों के अलावा उनकी यात्रा में नया अनुभव साझा करने को मल्लिगा तो वही पजौर की ऐतहिसकि पृषठभूमिसे भी अवगत हो सकेंगे ।
- मुख्यमंत्री ने शवालकि पर्वत श्रृंखला में स्थति पंचकूला को साहसकि खेल गतविधिथिों का केंद्र बनाया है । प्रदेश का एकमात्र हलि स्टेशन मोरनी भी पंचकूला में ही स्थति है । मोरनी हलिस के पास टकिकरताल कषेत्र में पैराग्लाइडिंग, वाटर स्पोर्ट्स एक्टविटी, जेट स्कूटर, पैरा सेलिंग और ट्रेकिंग जैसे एडवेंचर खेलों की शुरुआत करने के बाद अब पजौर को भी पर्यटन के रूप में वकिसति कथिा जा रहा है ।
- मुख्यमंत्री ने कहा क राज्य सरकार शवालकि पर्वत कषेत्र के साथ-साथ अरावली कषेत्र को भी पर्यटन के रूप वकिसति कर रही है । राज्य सरकार द्वारा अरावली पर्वत श्रृंखला में पड़ने वाले गुरुग्राम और नूंह ज़िलों की 10,000 एकड़ भूमि पर दुनया का सबसे बड़ा जंगल सफारी पार्क वकिसति कथिा जा रहा है । इससे अरावली पर्वत श्रृंखला को संरकषति करने में मदद मल्लिगी, वही दूसरी तरफ गुरुग्राम और नूंह कषेत्रों में पर्यटन को भी बढ़ावा मल्लिगा ।
- वदिति हो क देवभूमि हमिाचल का गेट-वे माने जाने वाले पजौर का अपना एक ऐतहिसकि महत्व है, इसे महाभारत कालीन स्थल भी माना जाता है । यह स्थल अपने भीतर हज़ारों वर्ष पुराने प्राचीन इतहिस को संजोए हुए है । यहाँ जगह-जगह प्राचीन इतहिस के अवशेष वदियमान हैं ।
- ऐसी मान्यता है क पोंडवों ने अपने वनवास के दौरान अज्ञातवास का एक बड़ा समय यहाँ बतियाया था, जसिके प्रमाण आज भी पजौर में देखने को मल्लिते हैं । इतना ही नहीं, यहाँ स्थति यादवदिरा गार्डन, जसि पजौर गार्डन भी कहा जाता है, जो बेहद प्रसदिध है । यह मुगल गार्डन शैली का एक उदाहरण है ।



